



'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Programme 4th Semester Examination, 2022

DSC1/2-P4-HINDI

हिंदी गद्य साहित्य

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×4 = 12
- (क) जैनेन्द्र के किन्हीं तीन उपन्यासों के नाम लिखिए।
- (ख) 'शिरीष के फूल' निबंध में लेखक ने शिरीष की तुलना जिन कवियों, विद्वानों व राजनेताओं से की है, उनके नाम लिखिए।
- (ग) उषा प्रियंवदा के किन्हीं तीन कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।
- (घ) देश प्रेम से संबंधित प्रेमचंद की तीन कहानियाँ कौन-कौन-सी है ? नाम लिखिए।
- (ङ) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है ?
- (च) 'लोभ' और 'प्रीति' में क्या अंतर है ?
2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24
- (क) 'हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है। शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था।'
- (ख) 'मोटे आदमियों! तुम जरा-सा दुबले हो जाते— अपने अंदेशों से सही— तो न जाने कितने ठठरियों पर मांस चढ़ जाता।'
- (ग) 'आदि कवि वाल्मीकि ने राम और सीता के प्रेम का विकास मिथिला या अयोध्या के महलों और बगीचों में न दिखाकर दण्डकारण्य के विस्तृत कर्म-क्षेत्र के बीच दिखाया है। उनका प्रेम जीवन यात्रा के मार्ग में माधुर्य फैलाने वाला है; उससे अलग किसी कोने में चौकड़ी या आहें भराने वाला नहीं।'
- (घ) 'अब कितने वर्षों बाद वह अवसर आया था, जब वह फिर उसी स्नेह और आदर के मध्य रहने जा रहे थे।'
- (ङ) 'अगर स्वराज्य आने पर भी सम्पत्ति का यही प्रभुत्व रहे और पढ़ा-लिखा समाज यों ही स्वार्थान्ध बना रहे, तो मैं कहूँगी, ऐसे स्वराज्य का न आना ही अच्छा।'
- (च) 'हरिप्रसन्न मैं उन्हें पहचानते-पहचानते भी नहीं पहचाना हूँ, पाते-पाते भी नहीं पाया हूँ। मुझे मालूम होता है कि तुम्हारे निमित्त से मैं उन्हें अपने निकट पाऊँगा।'

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

12×2 = 24

- (क) कहानी कला के आधार पर 'आहुति' कहानी की समीक्षा कीजिए।
(ख) 'वापसी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार लिखिए।
(ग) 'लोभ और प्रीति' निबंध में निहित आ० रामचन्द्र शुक्ल के विचारों पर प्रकाश डालिए।
(घ) 'शिरीष के फूल' निबंध की समीक्षा कीजिए।

—x—